Philippians 2:1-11
फिलिप्पियों २: १-११

Humble Joy
नम्र आनंद

Bryan Chapell
ब्रायन चैपल

10.23.16
१०.२३.१६

Introduction: Hindu to Christian struggle because of suffering
प्रस्तावना : हिन्दू से एक क्रिस्चियन बनना बहुत कष्टमय है

Key Question: How could God show His love to real people in a real world of suffering?
परमेश्वर अपने लोगो को इस दर्द भरी दुनिया में, अपना प्रेम कैसे दिखा सकते है ?

1. God enters the world of people's pain (v6-7)
   परमेश्वर लोगो की दुखित दुनिया में प्रवेश करते है (व् ६-७)

2. God saves people with His Pain (v8)
   परमेश्वर लोगो को अपने दुःख से बचता है (व् ८)

2. God Delivers His people to a better world (v9-11)
   परमेश्वर लोगो को एक अच्छी दुनिया में पहुंचाता है (व् ९-११)

   a. By exalting Jesus (v9)
      प्रभु येशु को ऊँचा करके (व् ९)

   b. By crowning Jesus (v9b-10)
      प्रभु येशु को अपना राजा बनाके (व् ९ बी -१०)

   c. By Glorifying us with Jesus (v11)
      हमको प्रभु यीशु के साथ महिमावंत करके (व् ११)

4. God calls us to reflect his love (v1-5)
   परमेश्वर चाहते है की हम उनका प्यार प्रतिबिंबित करे (व् १-५)

   a. Having the mind of Christ (attitude v1-2)
      प्रभु येशु जैसे मन रखके (मनोदृष्टि व् १-२)

   b. Considering the needs of others (action v3-5)
      दूसरों की परवाह रखकर (कार्य व् ३-५)

Conclusion: Considering the needs of others here!

निष्कर्ष : यहाँ पे दूसरों की परवाह रखकर